

प्रेषक,

डा० रणबीर सिंह,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
डेरी विकास विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पशुपालन अनुभाग-02

देहरादून: दिनांक | 7 जनवरी, 2015:

विषय— वित्तीय वर्ष 2014-15 में नेशनल प्रोग्राम फॉर डेरी डेवलपमेण्ट (100 प्रतिशत केन्द्रांश) पूर्व नाम समन्वित डेरी विकास योजना तृतीय फेज अन्तर्गत जनपद चम्पावत, टिहरी, उत्तरकाशी, चमोली, पौड़ी एवं रुद्रप्रयाग हेतु रु० 800.00 लाख की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-898-900/लेखा-आईडीडीपी पत्रा०/2014-15, दिनांक 08 दिसम्बर, 2014 एवं भारत सरकार, कृषि मंत्रालय, पशुपालन, डेरी एवं मत्स्य विभाग नई दिल्ली के पत्र संख्या-2-5/2011-DP, दिनांक 11 सितम्बर, 2014 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि नेशनल प्रोग्राम फॉर डेरी डेवलपमेण्ट (100 प्रतिशत केन्द्रांश) योजना के अन्तर्गत रु० 800.00 लाख (रुपये आठ करोड़ मात्र) की धनराशि निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वतन पर रखते हुए इसे आहरण कर व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. अवमुक्त की जा रही धनराशि की फाँट निदेशक, डेरी द्वारा करके आहरण एवं वितरण अधिकारियों तथा शासन को अवगत कराया जायेगा।
2. धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहाँ कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाए। शासन द्वारा समय-समय पर जारी मितव्ययता संबंधी निर्देशों का पालन अवश्य किया जायेगा।
3. मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अन्तर्गत कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा पर प्रतिमाह की 5 तारीख तक प्रपत्र बी०एम०-०८ पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना शासन को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जायेगी।
4. अवमुक्त की जा रही धनराशि का दिनांक 31-03-2015 तक उपयोग कर उपयोगिता प्रमाणक, भौतिक एवं वित्तीय प्रगति, लाभार्थियों की सूची शासन को उपलब्ध कराई जायेगी।
5. इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित नियमों एवं क्रय संबंधी शासनादेशों का पालन किया जाय। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जाय।
6. विभिन्न मदों में व्ययभार/देयता सृजित होने पर यथाशीघ्र धनराशि आहरित कर भुगतान की जायेगी एवं कोई भी भुगतान अनावश्यक लम्बित नहीं रखा जायेगा, ताकि मासिक आधार पर व्यय की सूचना परिलक्षित होने से अनुपूरक मांग के समय सही निर्णय लिया जा सकेगा।

7. किसी भी क्रय/विक्रय हेतु प्रोक्योरमेन्ट रूल्स 2008, (समय-समय पर यथा संशोधित) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-01, (वित्तीय अधिकार प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-05 भाग (लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। साथ ही मितव्ययता सम्बन्धी आदेशों, डी0जी.एस.एन.डी. की दरें, टेण्डर/कोटेशन विषयक नियमों के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के दिशा-निर्देशों का भी पूर्णतः अनुपालन किया जाय।
8. जो बिल कोषागार को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाय उनमें स्पष्ट रूप से लेखाशीर्षक के साथ सम्बन्धित अनुदान संख्या का भी उल्लेख अवश्यमेव किया जाय।
- 2- उक्त धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 में अनुदान संख्या-28 (आयोजनागत) के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2404-डेरी विकास-00-102-डेरी विकास परियोजनायें-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधित योजना-04-राष्ट्रीय डेयरी विकास योजना-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामें डाला जायेगा।
- 3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-127(P)/XXVII-4/2014 दिनांक 14 जनवरी, 2015 से प्राप्त उनकी सहमति से जारी किया जा रहा है।

भवदीय,
/ (डा0 रणबीर सिंह)
प्रमुख सचिव।

संख्या- 833 (1)/XV-2/2014 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड़, देहरादून, उत्तराखण्ड।
2. मण्डलायुक्त, कुमाऊँ/गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
3. स्टाफ अफसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. निजी सचिव, मंत्री डेरी विभाग को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
5. वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।
6. कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी (नैनीताल)।
7. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. निदेशक, बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
/ (महावीर सिंह चौहान)
उप सचिव।